राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से बदली तस्वीर

(बजारी लाल सरवटे जनपद सदस्य एवं बाबूलाल यादव विधायक प्रतिनिधि के श्रीमुख से)

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना मंडला जिले में कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। कम्पोजिट नर्सरी के अंतर्गत हाईब्रिड धान बीज देकर निःशुल्क पौधा वितरण कार्य जारी है तथा कृषक मेडागास्कर विधि से धान की खेती करने करने में जुटे हुये है। विगत वर्ष कम क्षेत्र में एस आर.आई लगाई गई थी परन्तु इस वर्ष विगत वर्ष से डेढ़ गुनी वर्षा हो चुकी है एवं किसानों के लिये खुशी का वातावरण है ऐसी स्थिति में कृषकों को माह जून में हाईब्रिड धान बीज निःशुल्क वितरण किया गया तथा SRI (श्री विधि) से रोपड़ करने का प्रशिक्षण भी दिया गया । 25 से.मी. की दूरी पर 8 – 12 दिन का एक पौधा लागने पूरा परिवार जुट गया है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत एस.आर.आई. हेतु स्थापित कम्पोजिट नर्सरी विकासखंड – मंडला

बरसते पानी में किसानों के परिवार लगे हुये है। धान रोपण में विभागीय अधिकारी भी किसानों के मार्ग दर्शन के लिये खेत–खेत घूम रहे है। विगत वर्ष में किसानों ने SRI (श्री विधि) विधि से धान रोपण कर अच्छे परिणाम देख लिये है। इस कारण इस वर्ष उत्साह अधिक है प्रकृति भी मेहरबान है। अच्छी वारिस अच्छे खेत एवं अच्छे लोग सभी कुछ अच्छा है तो परिणाम भी अच्छे होंगे। किसानों के द्वारा 50 क्विं./हे. का उत्पादन लिया जा रहा है। इस वर्ष मंडला जिले में 21000 हेक्ट. में मेडागास्कर विधि से धान लगाई जा रही है। जनप्रतिनिधि भी भाग ले रहे है।

कृषक संतोष ठाकुर बिछिया जिला मंडला – एस.आर.आइ. से धान रोपण

आर.के.व्ही.वाय योजना से अन्नपूर्णा योजनांतर्गत मक्का भी लगाई जा रही है। मंडला जिले में किसान अपनी बाड़ी में देशी मक्का लगाते थे जो सिर्फ अपने परिवार के ही उपयोग में आते थे परन्तु आर.के.व्ही.वाय योजना से 90 प्रतिशत अनुदान अन्नपूर्णा योजना में हाईब्रिड मक्का वितरण की गई है इससे किसान बहुत खुश है तथा कृषि विभाग के द्वारा बताई गई विधि से कतारों में बोनी कर रहे है।

कृषक के साथ श्री बाबूलाल यादव जनपद सदस्य, श्री पी.डी.सराठे एवं रवीकांत सिंह उप परियोजना संचालक निरीक्षण करते हुये

उड़द, मूंग, मूंगफली के साथ इसकी अंतवर्ती खेती भी कर रहे है। पुरानी छिड़क कर बीज बोनी की विधि को लोग छोड़कर नई विधि से कतारों में बोनी कर रहे है। महिलाएं भी इस कार्य में पीछे नहीं है। कृषि कार्य में बराबर से हाथ बटा रही है। मंडला जिले में मक्का की खेती 1000 हेक्ट. में हो रही है। मक्का का हरा चारा भी पशुओं को मिल जाता है तथा मक्का के साथ कद्दूवर्गीय सब्जियों की खेती भी अंतवर्तिय खेती के रूप में अपना रहे हैं कहते है। आम के आम गुठलियों के दाम, यह कहावत मंडला जिले में चरितार्थ हो रही है।

मंडला जिले में सिंचित क्षेत्र मात्र 25% ही है चुंकि बड़े सिंचाई जलाशय कम है अधिकांश क्षेत्र नलकूप से एवं नदी/नालों से सिंचित है। नलकूप खनन कर किसानों को पानी मिल जाता है तो किसानों की एक तरफ से खेती करने की तरकीव बदल जाती है। तथा दूसरी तरफ से सिंचाई होने से तकदीर भी बदल जाती है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत 40000/– रू. का अनुदान किसानों के लिये रोशनी लेकर आया है। जिन किसानों ने नलकूप लगाया है उन्हें वर्ष भर पानी मिल रहा है। वह पहले वर्षा अंतर्गत धान, कोदो–कुटकी या अरहर, मक्का की एक फसल ही ले पाते थे परन्तु अब खरीफ, रबी एवं जायद की फसलों के अतिरिक्त सब्जियों व फलों की सघन खेती कर रहे हैं।

बजारी लाल सरवटे जनपद सदस्य धान की श्री विधि से खेती करते हुये

फसल सघनता तेजी से बढ़ रही है, वास्तव में नलकूप खनन योजना प्रगति के पथ पर सरपरट दोड़ने में पूरी मदद कर रही है क्योंकि नलकूप खनन का लाभ तत्काल मिलना शुरू हो जाता है जबकि बड़े बांध बनाने में ही वर्षों का समय लग जाता है। मंडला जिले में नर्मदा नदि प्रकृति का अदभुत वरादान है इस कारण भूमि का जल स्तर अच्छा है तीन तरफ से नर्मदा ने मंडला को घेर रखा है यही कारण है कि यहां का अच्छा जल स्तर है। अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वरदान साबित हो रही है। कृषक चाहते है सामन्य वर्ग के सभी किसानों को नलकूप योजना से लाभान्वित किया जावे तो एक दो वर्षों में ही मंडला ही तस्वीर बदल सकती है।

किसान बायोगैस बनाकर स्वयं का कम्पोस्ट एवं बायो इंधन एवं बायोकम्पोस्ट प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन रहे है।

बजारी लाल सरवटे जनपद सदस्य
एवं बाबूलाल यादव विधायक प्रतिनिधि नारायणगंज